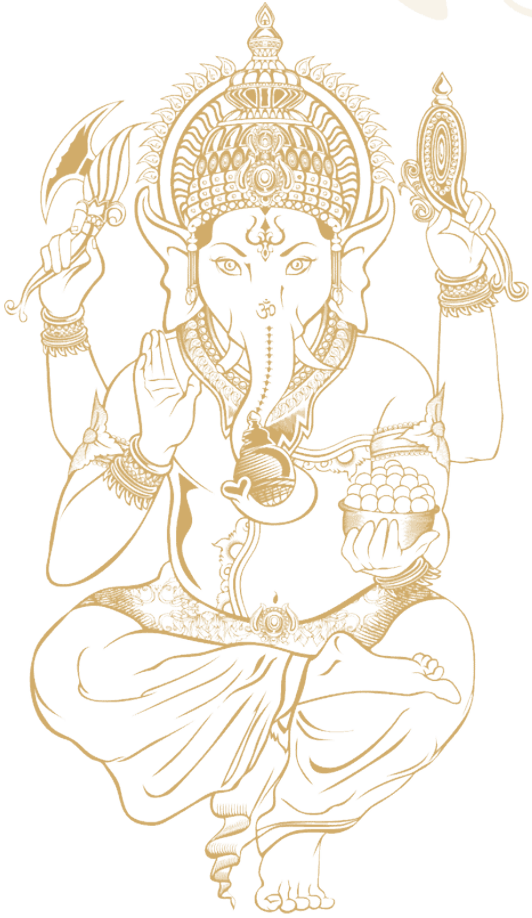

Sunil raj Solanki

13 Mar 2003

09:15 PM

Merta

Model: web-freekundliweb

Order No: 121144603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/03/2003**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:15:00 घंटे**
इष्ट	36:12:27 घटी
स्थान	**Merta**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:39:00 उत्तर
रेखांश	74:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:41:28 घंटे
वेलान्तर	-00:09:38 घंटे
साम्पातिक काल	08:04:56 घंटे
सूर्योदय	06:46:01 घंटे
सूर्यास्त	18:40:43 घंटे
दिनमान	11:54:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:45:10 कुम्भ
लग्न के अंश	03:52:54 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शोभन
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:52:54	317:24:10	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	28:45:10	00:59:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	25:59:42	13:02:19	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
मंगल			धनु	11:40:38	00:38:02	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	कुंभ	21:07:02	01:49:59	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		कर्क	14:53:27	00:04:00	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			मक	19:16:01	01:11:17	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
शनि			वृष	28:35:16	00:02:09	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	08:22:33	00:04:17	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	08:22:33	00:04:17	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	06:15:18	00:03:16	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप			मक	18:14:47	00:01:50	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:01:42	00:00:19	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कर्क	05:11:15	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:51

लग्न-चलित

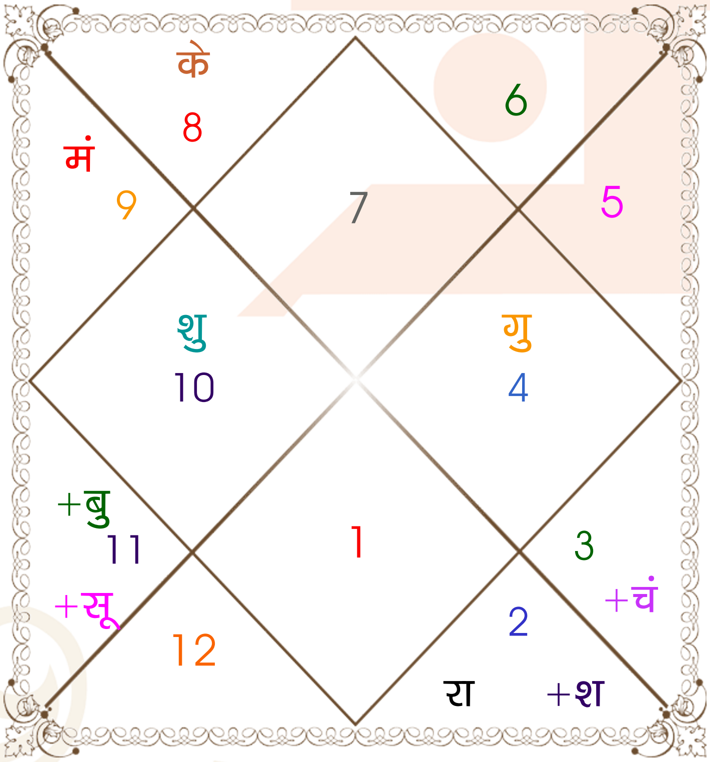

चन्द्र कुंडली

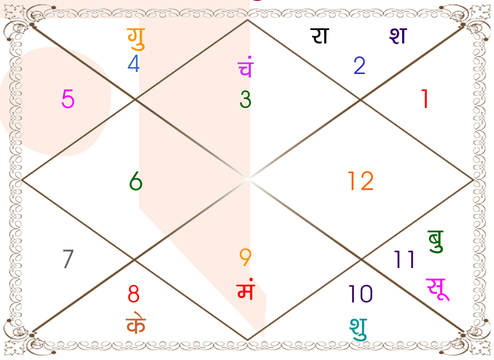

नवमांश कुंडली

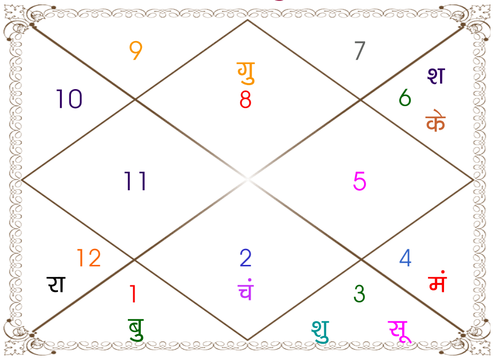

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 9 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
13/03/2003	**02/01/2012**	**02/01/2031**	**02/01/2048**	**02/01/2055**
02/01/2012	**02/01/2031**	**02/01/2048**	**02/01/2055**	**02/01/2075**
00/00/0000	शनि 05/01/2015	बुध 30/05/2033	केतु 30/05/2048	शुक्र 03/05/2058
00/00/0000	बुध 14/09/2017	केतु 27/05/2034	शुक्र 30/07/2049	सूर्य 03/05/2059
13/03/2003	केतु 23/10/2018	शुक्र 27/03/2037	सूर्य 05/12/2049	चंद्र 01/01/2061
केतु 14/11/2003	शुक्र 23/12/2021	सूर्य 01/02/2038	चंद्र 06/07/2050	मंगल 03/03/2062
शुक्र 15/07/2006	सूर्य 05/12/2022	चंद्र 03/07/2039	मंगल 02/12/2050	राहु 03/03/2065
सूर्य 03/05/2007	चंद्र 05/07/2024	मंगल 29/06/2040	राहु 21/12/2051	गुरु 02/11/2067
चंद्र 01/09/2008	मंगल 14/08/2025	राहु 17/01/2043	गुरु 25/11/2052	शनि 02/01/2071
मंगल 08/08/2009	राहु 20/06/2028	गुरु 24/04/2045	शनि 04/01/2054	बुध 01/11/2073
राहु 02/01/2012	गुरु 02/01/2031	शनि 02/01/2048	बुध 02/01/2055	केतु 02/01/2075

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
02/01/2075	**01/01/2081**	**02/01/2091**	**01/01/2098**	**03/01/2116**
01/01/2081	**02/01/2091**	**01/01/2098**	**03/01/2116**	**00/00/0000**
सूर्य 21/04/2075	चंद्र 01/11/2081	मंगल 31/05/2091	राहु 14/09/2100	गुरु 20/02/2118
चंद्र 21/10/2075	मंगल 02/06/2082	राहु 17/06/2092	गुरु 08/02/2103	शनि 02/09/2120
मंगल 26/02/2076	राहु 02/12/2083	गुरु 24/05/2093	शनि 15/12/2105	बुध 09/12/2122
राहु 19/01/2077	गुरु 02/04/2085	शनि 03/07/2094	बुध 03/07/2108	केतु 14/03/2123
गुरु 07/11/2077	शनि 02/11/2086	बुध 30/06/2095	केतु 22/07/2109	00/00/0000
शनि 20/10/2078	बुध 02/04/2088	केतु 26/11/2095	शुक्र 22/07/2112	00/00/0000
बुध 27/08/2079	केतु 01/11/2088	शुक्र 25/01/2097	सूर्य 15/06/2113	00/00/0000
केतु 02/01/2080	शुक्र 03/07/2090	सूर्य 02/06/2097	चंद्र 15/12/2114	00/00/0000
शुक्र 01/01/2081	सूर्य 02/01/2091	चंद्र 01/01/2098	मंगल 03/01/2116	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 8 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रुप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।